सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 222
19/03/2017

राज्यपाल ने वनबंधु परिषद् के वार्षिकोत्सव को संबोधित किया

पटना, 19 मार्च 2017 ::–''सामाजिक सेवा के कार्यों में सक्रियता से आत्मसंतोष मिलता है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभिवंचित वर्ग के लोगों को सहयोग करने से संतुष्टि और प्रसन्नता मिलती है। वनवासी बंधुओं को एकल विद्यालयों के माध्यम से शिक्षित कर बनबंधु परिषद् के कार्यकर्त्ताओं को संतोष और सामाजिक स्वीकृति मिली है।'' –उक्त बातें, राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने वनबंधु परिषद् पटना चैप्टर के आठवें वार्षिकोत्सव को स्थानीय बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सभागार में संबोधित करते हुए कही।

राज्यपाल ने कहा कि सेवा–धर्म और परोपकारिता किसी भी धार्मिक क्रिया–व्यापार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि गरीबों, अभिवंचित वर्ग के सदस्यों और वनवासी बंधुओं को सहायता करना पूजा–इबादत से कम नहीं है।

राज्यपाल ने कहा कि वनबंधु परिषद् द्वारा संचालित एकल विद्यालयों में ज्ञान, कर्म, चरित्र, योग, अध्यात्म आदि की शिक्षा दी जाती है। ये विद्यालय स्वामी रामकृष्ण और स्वामी विवेकानन्द के उन आदर्शों को अपनाकर परिचालित होते हैं, जो ज्ञान और भावना दोनों के व्यावहारिक पहलुओं को हृदयंगम करने की प्रेरणा देते हैं।

राज्यपाल ने कार्यक्रम के दौरान वनबंधु परिषद् को सहयोग करनेवाले दानवीरों एवं सहयोगी संस्थाओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने समारोह के दौरान डॉ॰ एस॰एन॰ आर्या की पुस्तक –''हिन्दू धर्म का संक्षिप्त परिचय तथा हिन्दुओं के राष्ट्रीय धार्मिक कर्त्तव्य'' को भी लोकार्पित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वनबंधु परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बजरंग लाल ने कहा कि पूरे भारत में लभगग 57 हजार एवं बिहार में 3700 एकल विद्यालय संचालित हो रहे हैं। उन्होंने परिषद् की गतिविधि को महिला सशक्तीकरण, पंचमुखी क्रांति आदि योजनाओं की ओर भी विस्तारित करने की जानकारी दी।

कार्यक्रम में पटना चैप्टर के अध्यक्ष श्री राधेश्याम बंसल, डॉ॰ एस॰एन॰ आर्या, श्री विनोद कानेड़िया, महेश जालान आदि ने भी संबोधित किया।

.....